

१६५२ माण्ड पगारकी पत्रा हुनी को
 वादी अथवा पगारकी के वाद
 वादी डिडो विपराभा विद्वान
 निवेदन पुस्तक है। किंतु वाता
 वाता वाता पगारकी विप
 गगना पगारकी विपराभा
 दोष गगना के कल दोष
 गगना वाता वाता वाता

माण्ड अधिकारी
 (अथवा) वाता

